चलावे तीर नज़र दे जिगर तो पार हो जावे

चलावे तीर नज़र दे, जिगर तो पार हो जावे,
सलोनी सांवरी सूरत, मोहन नाल प्यार हो जावे ।

जरा पर्दा हटा के आमने इक बार हस जांदा,
ना कडेया जावे दिल विचो, इश्क दा वार हो जावे ।
चलावे तीर नज़र दे...

नज़ारा कर लवे कोई जे मेरे बांके बिहारी दा,
नजारा कर लवे कोई, मेरे रसिक बिहारी दा,
तरसदीया ने मुद अँखियाँ कदे दीदार हो जावे ।
चलावे तीर नज़र दे...

ना चंगी लगदी इस दुनिया दी झूठी शान ते शौहरत,
मिटन नू श्याम दे दर ते दीवाना तैयार हो जावे ।
चलावे तीर नज़र दे...

मैं लब लब हो गयी पागल, तू आवे क्यों ना मनमोहन,
गोपाली ठाकुर मिल जावे, जे दिल दी पुकार हो जावे ।
चलावे तीर नज़र दे...

स्वर : चित्र विचित्र

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1117/title/chalave-teer-nazra-de-jigar-to-paar-ho-jave-Punjabi-bhajan-by-Chitr-Vichitre-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |